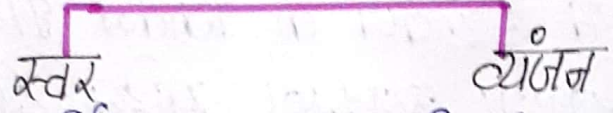


व्याख्या - आठवी
विषय - हिन्दी व्याकरण

वर्ण ⇒ मुख से निकली हुई ध्वनियों का लिखित रूप वर्ण कहलाता है जैसे - क, ख, ग, अ, आ आदि। वर्ण भाषा की वह सबसे छोटी इकाई होती है जिनके और खंड (टुकड़े) नहीं किए जा सकते जैसे ⇒ र+अ+क+ख+अ+क+अ = रक्षक
हिंदी में कुल 52 वर्ण हैं।

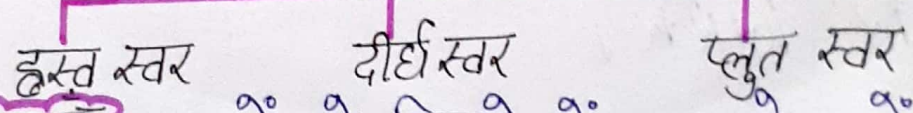
वर्णमाला ⇒ "वर्णमाला" शब्द 'वर्ण' + 'माला' शब्दों के मेल से बना है, जिसका अर्थ है वर्णों का समूह।

वर्णों के दो भेद



स्वर ⇒ जिन वर्णों का उच्चारण किसी अन्य वर्ण की सहायता के बिना किया जाता है वे स्वर कहलाते हैं। हिंदी में ग्यारह (11) स्वर होते हैं - अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, औ, तथा औ

स्वरों के भेद



स्वरों की मात्राएं ⇒ शब्दों को लिखने में स्वर दो रूपों में प्रयोग होता है।

- ① - अपने मूल रूप में
 - ② - मात्रा के रूप में
- जैसे ⇒ च + आ (1) = चा, च + ई (1) = ची।

लिखने में व्यंजन के साथ स्वर का जो रूप मिला होता है, उसे स्वर की मात्रा कहते हैं। स्वर की मात्राएं निम्न हैं

- अ (५) आ (1) इ (1) ई (1) उ (७) ऊ (२)
- ऋ (८) ए (१) ऐ (१) औ (1) औ (1)

क० प० प०

- अ की मात्रा नहीं होती, अ सभी व्यंजनों में होता है,
- उ तथा ऊ स्वर की मात्राओं का प्रयोग व्यंजनों के नीचे किया जाता है लेकिन र में ये मात्राएँ अंगे लगाई जाती हैं। जैसे र + उ (रु) = रुचि
र + ऊ (रु) = रुमाल
- त्रु शब्द का उच्चारण 'त्रे' की तरह होता है, इसका प्रयोग संस्कृत से हिंदी में आरु तन्मू शब्दों में होता है। जैसे त्रुषि, त्रुण आदि।

अभ्यास कार्य

- प्रश्न 1 वर्ण किसे कहते हैं? वर्ण के कितने भेद होते हैं?
- प्रश्न 2 स्वर की परिभाषा उदाहरण सहित दीजिए?
- प्रश्न 3 स्वर के कितने भेद होते हैं? नाम सहित लिखो?
- प्रश्न 4 हिंदी में कितने स्वर होते हैं?
- प्रश्न 5 स्वरों की मात्राओं की सहायता से कुछ नए शब्द बनाकर लिखिए।